

कार्यालय प्रभागीय वनाधिकारी, बागेश्वर वन प्रभाग बागेश्वर

Email-dfobag-forest-uk.nic.in/ dfo_bageshwar@rediffmail.com

दूरभाष एवं फ़ैक्स नं०: 05963-220249 वन मित्र काल सेटर- 9208008000

पत्रांक 4924 / 12-1-2 बागेश्वर दिनांक : 14/ 6 /2022
सेवा में,

वन संरक्षक,
उत्तरी कुमाऊ वृत्त,
उत्तराखण्ड अल्मोडा।

विषय – जनपद बागेश्वर में झोपड़ा शिखर वास्ती 12 किमी० मोटर मार्ग (प्रस्ताव संख्या-10587/2015)
सन्दर्भ- ऑन लाईन आपत्ति दिनांक 28.12.2017 के क्रम में।
महोदय,

उपरोक्त विषयक संदर्भित पत्र के क्रम में अवगत कराना है कि अपर प्रमुख वन संरक्षक एवं नोडल अधिकारी देहरादून द्वारा उक्त प्रस्ताव में जो आपत्तियां लगायी गयी है उनका निम्नानुसार निराकरण कर अग्रिम आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित किया जा रहा है।

बिन्दु स० 1	मन्दिर अथवा पर्यटन हेतु ropeway के निर्माण पर विचार किया जा सकता है क्योंकि उक्त मोटर मार्ग में 324 वृक्षों का पातन निहित है। यह मार्ग घने वन से होकर गुजर रहा है, अतः प्रस्ताव, merit के आधार पर एवं अनुकूल तथ्यों के अभाव में स्वीकार्य नहीं है। राज्य सरकार यदि चाहें तो सभी तथ्यों को भली-भाँति जांच कर औचित्यपूर्ण साक्ष्यों के साथ मार्ग निर्माण का औचित्य प्रेषित करते हुए पुनरीक्षित प्रस्ताव प्रस्तुत करने का कष्ट करे।	प्रस्तावक विभाग द्वारा अवगत कराया गया है कि उक्त मोटर मार्ग से झोपड़ा ग्राम के तोकों को मोटर मार्ग से जोड़ा जाना है, झोपड़ा ग्रामसभा का कुछ ही भाग मोटर मार्ग से जुड़ा है मोटर मार्ग से अलग भी उक्त ग्राम के कई तोकों को मोटर मार्ग से जोड़ा जाना है, एवं स्थानीय ग्रामवासियों द्वारा कपकोट शामा तेजम मोटर मार्ग से झोपड़ा शिखर से वास्ती ग्राम सभा को जोड़े जाने हेतु मांग की जा रही है। स्थानीय ग्रामवासियों को वर्तमान में वास्ती जाने के लिए कपकोट-बागेश्वर-धरमघर होते हुये लगभग 80 किमी० का सफर तय करके जाना पड़ता है। उक्त मार्ग के बनने से झोपड़ा ग्राम को वास्ती से जोड़ा जा सकता है जिससे स्थानीय वासियों को धरमघर सनगाड वास्ती जाने में कम समय लगेगा। उक्त मोटर मार्ग को कपकोट शामा तेजम मोटर मार्ग से वास्ती तक जोड़ने हेतु स्थानीय जनता द्वारा लगातार मांग की जा रही है। एवं साथ ही शिखर मन्दिर को भी सड़क मार्ग से जोड़ने की मांग की जा रही है।
-------------------	--	--

भवदीय,

(हिमांशु बागरी)

प्रभागीय वनाधिकारी

बागेश्वर वन प्रभाग बागेश्वर